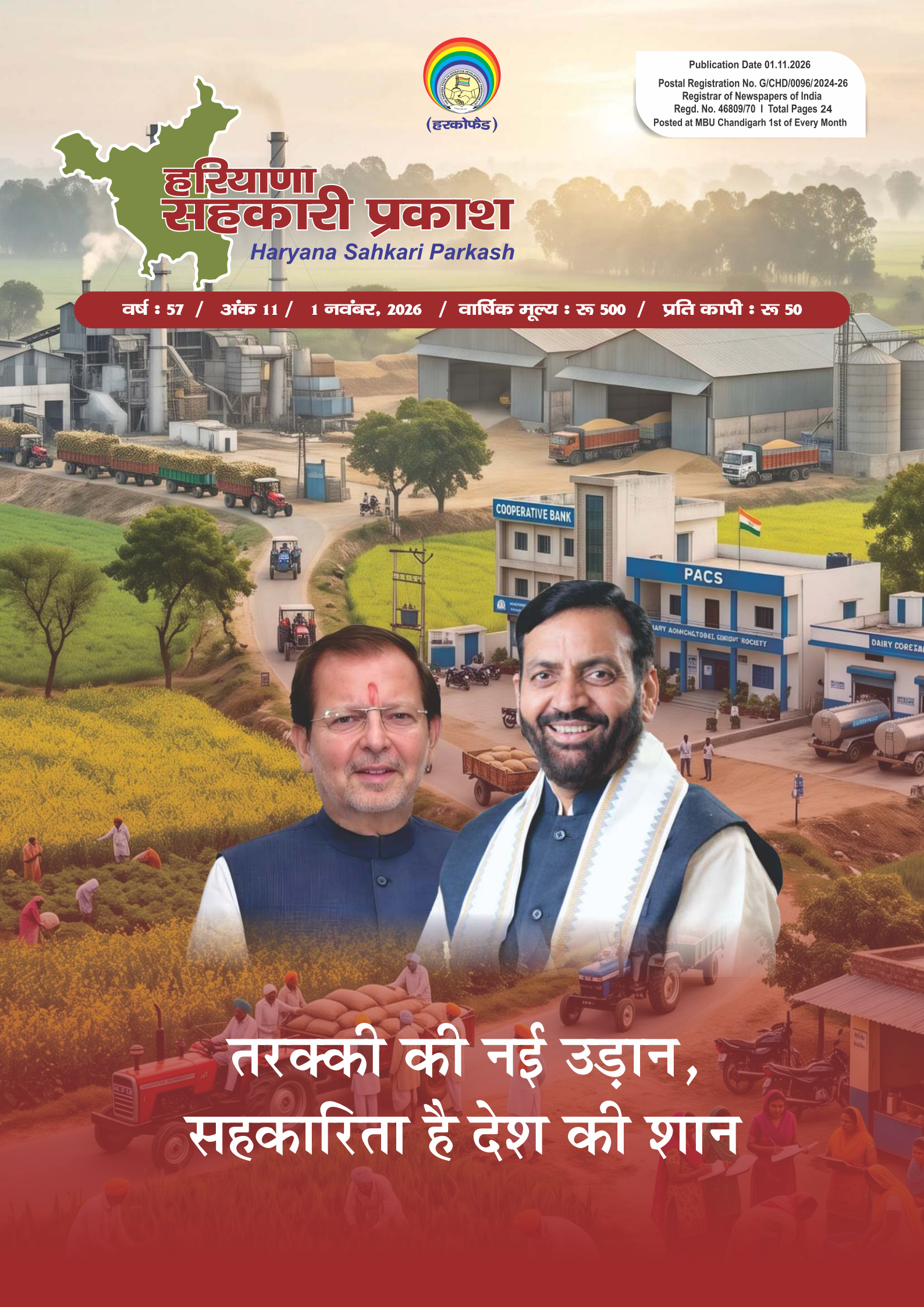
(हरकोफैड)

Publication Date 01.11.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 24
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 57 / अंक 11 / 1 नवंबर, 2026 / वार्षिक मूल्य : रू 500 / प्रति कापी : रू 50



तरक्की की नई उड़ान, सहकारिता है देश की शान

सहकारिता विभाग, हरियाणा

हरियाणा सरकार



समस्त सहकारी बंधुओं को

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

दीपों का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में
सुख, समृद्धि, खुशहाली और नई उमंग का प्रकाश लेकर आए!

सहकारिता की भावना से जगमगाए हर आँगन,
समृद्धि और खुशियों से रोशन हो हर जीवन!

शुभ दीपावली!

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा
माननीय सहकारिता, कारागार, निर्वाचन,
विरासत एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा

सहकार से समृद्धि

समृद्धि से आत्मनिर्भरता





दिनांक 23 अक्तूबर से 26 अक्तूबर, 2026 तक सूरजकुण्ड, फरीदाबाद में लगे तृतीय दिवाली मेले में उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री नायब सिंह सैनी, माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी मामले मंत्री जी का अभिवादन कर स्मृति चिन्ह भेंट करते सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा सरकार डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा।

सहकार से समृद्धि का आधार

सहकार से समृद्धि का आधार बनें,
आत्मनिर्भर भारत के सपने साकार करें,
सहकारी गतिविधियों का प्रयास करें,
समृद्धि है जिसमें आधार बनें,
सहकारिता की विचारधारा के साथ नए कदम बढ़े,
डेयरीफैड की प्रमुखता घी, माखन का उत्पादन करें ,
किसानों के आर्थिक हितों का संरक्षण करें ,
हेफैड गुणवत्ता पूर्ण उपभोक्ता उत्पादों से,
कृषि उपज की खरीद एवं विपणन करें,
कृषि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करें ।
चीनी मिल में गन्ना पेराई की क्षमता व्यापक करें,
सहकारिता के विभागों का काम ही कुछ अलग करें,
जन–जन में सहकारिता का प्रचार करें।

हाउसफैड आवास ऋण प्रदान करें ,
किफायती मकानों का निर्माण करें ,
सरकारी परियोजनाओं का क्रियान्वयन करें,
एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी लंबी अवधि में ऋण उपलब्ध करें ,
कारोबार के क्षेत्र में सहकारिता अद्भुत सहयोग करे।

हरको बैंक अल्प अवधि में नागरिकों के पैसे की रक्षा करें
स्थानीय व्यवसाय को मजबूत करें,
हरकोफैड प्रचार–प्रसार का कार्य करें,
सहकारिता विभाग की लहर हरियाणा में चलें,
अधिकारों और सुविधा का प्रसार करें।

शिक्षा और सहयोग का अद्भुत विभाग है,
नई–नई नीतियां किसानों तक पहुँचा दे,
किसान प्रशिक्षण तकनीक से परिचित करें,
विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम से नई ऊर्जा भरें,
समाज के हर पहलू में रंग भरें,
समृद्धि से विभाग का कार्य संग करें।
सहकार से समृद्धि का आधार बनें,
आत्मनिर्भर भारत के सपने साकार करें।

स्वरचित अलका शर्मा "आनंद"
संयुक्त संपादक

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
डॉ. सुभिता ढाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

कर्मभूमि पर फल के लिए श्रम सबको करना पड़ता है, रब सिर्फ लकीरें देता है रंग हमको भरना पड़ता है।

–गुरु नानक देव

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

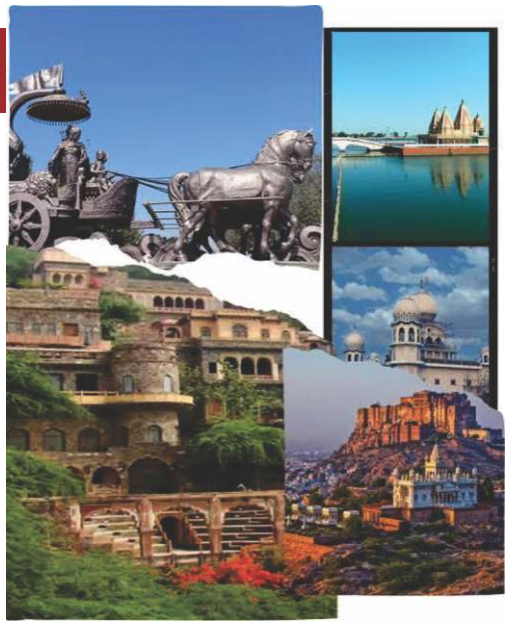
इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय	6-7
1 नवंबर :- हरियाणा दिवस विशेष	
सहकार से समृद्धि- विकसित भारत के निर्माण का सशक्त आधार सामूहिक शक्ति, सहभागिता और आत्मनिर्भरता से नए भारत के निर्माण की ओर	8-9
शुगर मिलों की खाली जमीन पर बनेंगे वेयरहाउस, एथेनॉल प्लांट लगाने की प्रक्रिया होगी तेज	10-11
सहकारिता मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों को बांटे पाँच करोड़ के चेक, दो पैक्स का किया उद्घाटन	12
जिला लेबर फेडरेशन अंबाला की 50वीं आम सभा संपन्न, चारों एजेंडे सर्वसम्मति से पारित	13-14
हाउसफैड हरियाणा की 30वीं वार्षिक आम सभा की बैठक चेयरमैन श्री सुभाष बंसल की अध्यक्षता में संपन्न	15
स्वदेशी से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता से विकसित भारत	16-17
प्रैस कतरनें	18
विज्ञापन	19-22

सम्पादकीय

हरियाणा दिवसः समृद्ध विरासत, सशक्त सहकारिता और विकसित भविष्य का संकल्प

1 नवंबर :- हरियाणा दिवस विशेष



हरियाणा दिवस केवल एक राज्य के गठन का स्मरणोत्सव नहीं, बल्कि हरियाणवी अस्मिता, गौरवशाली संस्कृति, परिश्रम, स्वाभिमान और विकास के संकल्प का प्रतीक है। 1 नवंबर, 1966 को पंजाब से अलग होकर हरियाणा एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। अपनी स्थापना से लेकर आज तक हरियाणा ने कृषि, खेल, शिक्षा, उद्योग, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कृषि प्रधान प्रदेश से विकास के अग्रणी केंद्र तक हरियाणा की पहचान उसकी उपजाऊ धरती, मेहनतकश किसानों और समृद्ध ग्रामीण संस्कृति से जुड़ी है। हरित क्रांति में प्रदेश के किसानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूती प्रदान की। आज हरियाणा कृषि के साथ–साथ औद्योगिक विकास, आधुनिक तकनीक, खेल प्रतिभाओं और उद्यमिता के क्षेत्र में भी नई पहचान स्थापित कर रहा है। यहाँ की मिट्टी में परिश्रम की शक्ति, परंपराओं में सामाजिक एकता और जनमानस में राष्ट्रसेवा का भाव समाहित है।

सहकारिता : समृद्ध हरियाणा की मजबूत नींव हरियाणा के सर्वांगीण विकास में सहकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सहकारिता वह व्यवस्था है, जो व्यक्तिगत प्रयासों को सामूहिक शक्ति में बदलकर किसानों, पशुपालकों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण समुदायों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाती है। सहकारी समितियों के माध्यम से कृषि ऋण, खाद–बीज, डेयरी, विपणन तथा ग्रामीण आजीविका को नई दिशा मिलती है।

हरियाणा में सहकारी संस्थाएँ केवल आर्थिक गतिविधियों का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सामाजिक सहभागिता के सशक्त केंद्र भी हैं। इनके माध्यम से लोगों में बचत, पारस्परिक सहयोग, सामूहिक निर्णय और आर्थिक अनुशासन की भावना विकसित होती है। सहकारिता की वास्तविक सफलता तभी सुनिश्चित होती है, जब प्रत्येक सदस्य अपने अधिकारों के साथ–साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहे।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास महासंघ (हरकोफैड) जैसी संस्थाएँ सहकारिता के सिद्धांतों, सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी पहलों की जानकारी जन–जन तक पहुँचाने में सेतु की भूमिका निभाती हैं। सहकारी शिक्षा एवं जागरूकता के माध्यम से इन संस्थाओं का प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक सहकारिता की शक्ति को समझे और विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाए।

नारी शक्ति और युवा ऊर्जा नए हरियाणा की पहचान आज हरियाणा की महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों, सहकारी संस्थाओं, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। वहीं, युवा अपनी प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी दक्षता से प्रदेश को प्रगति के नए आयामों तक ले जा रहे हैं। आवश्यकता है कि इनकी ऊर्जा को सहकारिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर समावेशी विकास को और गति प्रदान की जाए।

विकसित हरियाणा से विकसित भारत की ओर हरियाणा दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ–साथ भविष्य के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है। एक ऐसा हरियाणा, जहाँ किसान समृद्ध हों, महिलाएँ आत्मनिर्भर हों, युवा रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों से जुड़ें और गाँव विकास के सशक्त केंद्र बनें-यही हमारी सामूहिक आकांक्षा है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पारदर्शिता, जनभागीदारी, नवाचार और सहकारिता की भावना को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। जब प्रत्येक नागरिक विकास का सहभागी बनेगा और प्रत्येक सहकारी संस्था सदस्य–हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी, तभी समृद्धि का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकेगा।

हरियाणा दिवस का संदेश स्पष्ट है – अपनी विरासत पर गर्व करें, वर्तमान की उपलब्धियों को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ और सामूहिक प्रयासों से भविष्य का निर्माण करें।

आइए, हरियाणा दिवस के अवसर पर हम सहकारिता के मूल मंत्र "एक सबके लिए, सब एक के लिए" – की भावना को आत्मसात करते हुए एक ऐसे हरियाणा के निर्माण का संकल्प लें, जहाँ विकास के अवसर व्यापक हों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो, प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो और सहकारिता सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की सशक्त वाहक बने।

सशक्त सहकारिता – आत्मनिर्भर हरियाणा – समृद्ध भारत।

हरियाणा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।



दिनांक 1 नवंबर 2026 को कुरुक्षेत्र में हरियाणा राज्य के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह में भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिवादन करते मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने इस अवसर पर, हीरक जयंती के लोगो को भी लॉन्च किया। अपने संबोधन में, राष्ट्रपति जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में हरियाणा के इस क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। गीता का अमर संदेश इसी धरती से समस्त विश्व में फैला था। उन्होंने भारत की प्रगति–यात्रा के अनेक आयामों में सार्थक योगदान देने वाले हरियाणावासियों को भी बधाई दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान कृष्ण के निष्काम कर्मयोग का अमर संदेश सारे विश्व में फैलाने वाली इस धरती ने आधुनिक युग में भी मानवीय पराक्रम के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इसकी संतानों ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक परिवर्तन, लोकतंत्र, साहित्य और विज्ञान के क्षेत्रों में सार्थक योगदान किया है। राव तुलाराम का अदम्य साहस, दीनबंधु सर छोटूराम की किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता, पंडित नेकीराम शर्मा की राष्ट्रसेवा और दादा लखमीचंद की लोक–सांस्कृतिक साधना हरियाणा की अमूल्य विरासत हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हरियाणा समावेशी विकास की नयी सीढ़ियाँ चढ़ रहा है।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छह दशकों की यह यात्रा केवल एक नए राज्य के निर्माण और विकास की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, श्रम, आत्मसम्मान, कर्तव्यनिष्ठा और सामूहिक संकल्प की ऐसी गाथा है, जिसने प्रदेश को राष्ट्रीय पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। हरियाणा की असली ताकत यहां की मिट्टी से जुड़े वे जीवन मूल्य हैं, जो किसान के परिश्रम, सैनिक के साहस और खिलाड़ी के अनुशासन में दिखाई देते हैं।



सहकार से समृद्धि- विकसित भारत के निर्माण का सशक्त आधार
सामूहिक शक्ति, सहभागिता और आत्मनिर्भरता से नए भारत के निर्माण की ओर

भारत की सभ्यता और संस्कृति में सामूहिकता, सहयोग और सहभागिता की भावना सदियों से विद्यमान रही है। गाँवों की चौपाल से लेकर सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाओं तक, एक–दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ने की परंपरा भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना को आधुनिक आर्थिक व्यवस्था का मजबूत आधार बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'सहकार से समृद्धि' का व्यापक विजन देश के सामने रखा है।

इस विजन को नई दिशा और गति प्रदान करने के लिए 6 जुलाई, 2021 को केंद्र सरकार द्वारा पृथक सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक आधारित और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। इसका उद्देश्य सहकारिता को केवल कृषि ऋण अथवा पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर देश की आर्थिक प्रगति, ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनाना है।

सहकारिता – विकास का लोकतांत्रिक मॉडल

सहकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें व्यक्ति की व्यक्तिगत क्षमता सामूहिक शक्ति में परिवर्तित होती है। एक छोटा किसान, पशुपालक, श्रमिक, महिला उद्यमी अथवा ग्रामीण युवा अकेले जिस आर्थिक लक्ष्य को प्राप्त करने में कठिनाई महसूस करता है, वही लक्ष्य सहकारी संस्था के माध्यम से सामूहिक प्रयासों द्वारा हासिल किया जा सकता है।

सहकारिता का मूल मंत्र 'एक सबके लिए और सब एक के लिए' है। इसमें संस्था का उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना नहीं, बल्कि अपने सदस्यों के आर्थिक एवं सामाजिक हितों की रक्षा करना भी है। यही कारण है कि सहकारी संस्थाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं।

प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का आधुनिकीकरण

'सहकार से समृद्धि' के विजन के अंतर्गत प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को बहुउद्देशीय

आर्थिक संस्थाओं के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पहले जहां अधिकांश पैक्स मुख्य रूप से कृषि ऋण और खाद–बीज वितरण तक सीमित थीं, वहीं अब उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न आर्थिक एवं नागरिक सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

नई मॉडल उपविधियों के माध्यम से पैक्स को 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर मिला है। इनमें डेयरी, मत्स्य पालन, भंडारण, कृषि विपणन, पेट्रोल पंप, एलपीजी वितरण, जन औषधि केंद्र और कॉमन सर्विस सेंटर जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

इससे ग्रामीण स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और सहकारी संस्थाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

डिजिटल सहकारिता से पारदर्शिता और विश्वास

आज के डिजिटल युग में सहकारी संस्थाओं का तकनीकी रूप से सक्षम होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से देशभर में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कंप्यूटरीकरण की व्यापक परियोजना शुरू की गई है।

इस परियोजना के अंतर्गत पैक्स को ERP आधारित साझा राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर से जोड़ा जा रहा है। इससे लेखा–जोखा, ऋण वितरण, वित्तीय लेन–देन, ऑडिट और प्रबंधन संबंधी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आएगी।

डिजिटल व्यवस्था से किसानों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने, रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और संस्थाओं की कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

राष्ट्रीय सहकारिता नीति–2025 : भविष्य का रोडमैप

सहकारिता क्षेत्र को दीर्घकालीन दिशा देने के लिए राष्ट्रीय सहकारिता नीति–2025 एक महत्वपूर्ण पहल है। यह नीति सहकारी संस्थाओं के समग्र विकास, सुशासन, तकनीकी आधुनिकीकरण, युवाओं की भागीदारी, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है।

इसका उद्देश्य देश में सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान करना तथा सहकारी संस्थाओं को आधुनिक व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार करना है।

महिला एवं युवा सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका

सहकारिता महिलाओं और युवाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। महिला स्वयं सहायता समूहों, डेयरी समितियों, हस्तशिल्प संस्थाओं और अन्य सहकारी संगठनों के माध्यम से महिलाएं उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

इसी प्रकार युवाओं को सहकारी उद्यम, कृषि प्रसंस्करण, डिजिटल सेवाओं, विपणन और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

विकसित भारत के संकल्प में सहकारिता

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब गांव, किसान, श्रमिक, महिला और युवा आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। सहकारिता इस लक्ष्य को हासिल करने का एक ऐसा माध्यम है जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की क्षमता है।

आज आवश्यकता है कि प्रत्येक सहकारी संस्था अपने मूल उद्देश्यों के साथ आधुनिक प्रबंधन, पारदर्शिता, नवाचार और व्यावसायिक दृष्टिकोण को अपनाए।

सहकारिता केवल एक आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सामूहिक जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता का आंदोलन है। जब व्यक्ति की शक्ति सामूहिक प्रयासों से जुड़ती है, तभी समृद्ध समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण होता है।

सहकार से समृद्धि का संकल्प ही आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की मजबूत नींव है।

शुगर मिलों की खाली जमीन पर बनेंगे वेयरहाउस, एथेनॉल प्लांट लगाने की प्रक्रिया होगी तेज

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सहकारी चीनी मिलों को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

किसानों के गन्ने की एक-एक पोरी खरीदी जाएगी, सोनीपत में नई शुगर मिल लगाने की तैयारी

- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, सहकारिता मंत्री



दिनांक 28.10.2026 बुधवार को राई (सोनीपत) स्थित एथनिक इडिया पर्यटन केंद्र में शुगरफेड और प्रदेश की सभी सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ. अरविंद शर्मा ने की। बैठक में आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों, चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति, तकनीकी व्यवस्थाओं, उत्पादन क्षमता और किसानों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान सभी शुगर मिलों के प्रबंध निदेशकों ने अपनी–अपनी मिलों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि और सहकारी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। शुगर मिलों की खाली पड़ी जमीन का सदुपयोग करते हुए यहां वेयरहाउस बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। इसके साथ ही चीनी मिलों में एथेनॉल प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा, ताकि मिलों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली चीनी मिलों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लगातार घाटे में चल रही मिलों की जवाबदेही तय की जाएगी।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार धरातल पर उतार रही है। सहकारी चीनी मिलों को केवल चीनी उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय उनकी आय बढ़ाने के नए विकल्प तलाशने होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एथेनॉल प्लांट लगाने की संभावनाओं, तकनीकी आवश्यकताओं, आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य जरूरी पहलुओं पर विस्तृत



रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि शुगर मिलों की खाली पड़ी जमीन का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए वेयरहाउस निर्माण की संभावनाओं पर भी काम किया जाए।

सोनीपत में नई शुगर मिल लगाने की तैयारी, किसानों के गन्ने की एक-एक पोरी खरीदी जाएगी :– सहकारिता मंत्री ने कहा कि सोनीपत में नई शुगर मिल लगाने की तैयारी है। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनके गन्ने की एक–एक पोरी खरीदी जाएगी। किसी भी किसान को अपने गन्ने की विक्री को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और गन्ना उत्पादक किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं जाने दी जाएगी।

सोनीपत में धरने पर बैठे किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं, कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी :– डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने सोनीपत में धरने पर बैठे किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। किसानों की सुविधाओं और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। किसानों की समस्याओं का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

पेराई सत्र में किसानों को नहीं होनी चाहिए परेशानी :– आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि गन्ना लेकर मिलों में पहुंचने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। पेराई सत्र शुरू होने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी की जाएं और मिलों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए गन्ने की खरीद से लेकर पेराई तक की पूरी प्रक्रिया सुचारू रखी जाए। सरकार का लक्ष्य सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उबारकर लाभकारी और आत्मनिर्भर संस्थानों के रूप विकसित करना है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। सभी अधिकारी जिम्मेदारी आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि सहकारी चीनी मिले प्रदेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिक निभा सकें।

उन्होनें सहकारी बैंकों को लेकर भी कहा कि सहकारी बैंकों, पैक्स और समितियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों और आमजन को सहकारिता विभाग की योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज यादव भा.प्र.से, रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका भा.प्र.से, शुगरफेड के प्रबंध निदेशक कैप्टन शक्ति सिंह समेत प्रदेश की सभी सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



सहकारिता मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों को बांटे पाँच करोड़ के चेक, दो पैक्स का किया उद्घाटन

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने दिनांक 27.10.2026 को भिवानी में सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के मेगा इवेंट में जिले के दो पैक्स का उद्घाटन किया और 250 स्वयं सहायता समूहों को पाँच करोड़ रुपये के चेक वितरित किए।

उन्होंने कहा कि सहकारिता देश को जोड़ने और लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है जिससे प्रत्येक परिवार राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है।

पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पैक्स के शत–प्रतिशत कंप्यूटरीकरण का काम तेजी से किया जा रहा है और जल्द ही नई सहकारिता नीति भी लाई जाएगी। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों और संयुक्त देयता समूहों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 20 महिलाएं मिलकर स्वयं सहायता समूह और 10 महिलाएं मिलकर संयुक्त देयता समूह बना सकती हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं और ऋण का लाभ लेकर अपना रोजगार शुरू कर सकती हैं।

मंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का लक्ष्य सहकारिता के माध्यम से देश के प्रत्येक परिवार को जोड़ना है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन सौरभ शर्मा, नाबार्ड के डी.डी.एम. अजीत जाखड़, हरको बैंक के प्रोफेशनल डायरेक्टर एडवोकेट देवकांत शर्मा, ए.आर भिवानी सुनीता ढाका, एआर लोहारू अरविंद हुड्डा सहित बैंक के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला लेबर फेडरेशन अंबाला की 50वीं आम सभा संपन्न, चारों एजेंडे सर्वसम्मति से पारित





देवेंद्र पांचाल का आह्वान - युवा श्रम एवं निर्माण सहकारी समितियां बनाएं, ताकि काम मांगने वाले नहीं, बल्कि काम देने वाले बनें

उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्राथमिक सहकारी समितियों को किया सम्मानित, चेयरमैन सिकंदर लाल की अध्यक्षता में हुई बैठक

अंबाला (जयबीर राणा) – जिला लेबर फेडरेशन अंबाला की 50वीं आम सभा की बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में प्राथमिक सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के उत्थान, विकास और सशक्तीकरण को लेकर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला लेबर फेडरेशन अंबाला के चेयरमैन सिकंदर लाल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लेबर फेडरेशन हरियाणा के चेयरमैन देवेंद्र पांचाल ने शिरकत की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि देवेंद्र पांचाल ने युवाओं को सहकारिता के माध्यम से स्वरोजगार और रोजगार सृजन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा अधिक से अधिक श्रम एवं निर्माण सहकारी समितियों का गठन करें, ताकि वे केवल काम मांगने वाले न बनें, बल्कि दूसरों को काम देने वाले बन सकें। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियां युवाओं को संगठित होकर कार्य करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का बेहतर माध्यम प्रदान कर सकती हैं।

चारों प्रमुख एजेंडे सर्वसम्मति से पारित

बैठक के शुभारंभ पर जिला फेडरेशन के प्रबंधक श्याम लाल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 की कार्यप्रगति तथा आय–व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने फेडरेशन की कार्यप्रणाली और वित्तीय गतिविधियों की जानकारी सदन के समक्ष रखी। उपस्थित विभिन्न समितियों के अध्यक्षों ने फेडरेशन के कार्यों की सराहना की। सभा में प्रस्तुत किए गए चारों प्रमुख एजेंडों को सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समितियां सम्मानित

अंबाला जिले में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्राथमिक सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों



को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली समितियों को सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य समितियों के बीच बेहतर कार्य करने की भावना को बढ़ावा देना और सहकारी श्रम क्षेत्र को मजबूत बनाना रहा।

बैठक में लेबर फेडरेशन हरियाणा के प्रबंध निदेशक का प्रतिनिधित्व करते हुए उपमंडल अधिकारी अमन धीमान ने विशेष रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन हरकोफैड से प्रचार एवं शिक्षा अधिकारी श्री सौरव अत्री ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर करम सिंह, सुरजीत सिंह, रविंदर कुमार, कृष्ण राणा उर्फ डिंपल, निदेशिका सुनीता, वाइस चेयरमैन पवन कुमार तथा गुरमीत कौर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।





हाउसफैड हरियाणा की 30वीं वार्षिक आम सभा की बैठक चेयरमैन श्री सुभाष बंसल की अध्यक्षता में संपन्न



पंचकूला, 28 अक्टूबर, 2026 हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लिमिटेड (हाउसफैड) की 30वीं वार्षिक आम सभा की बैठक रेड बिशप, हरियाणा पर्यटन, सेक्टर–1, पंचकूला में हाउसफैड के चेयरमैन श्री सुभाष बंसल जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रसंघ के प्रबंध निदेशक श्री योगेश शर्मा ने आम सभा के समक्ष विभिन्न एजेंडा प्रस्तुत करते हुए संस्था की वित्तीय स्थिति, वार्षिक उपलब्धियों, ऋण वसूली तथा अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों का विवरण रखा।

प्रबंध निदेशक श्री योगेश शर्मा ने बताया कि हाउसफैड द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान एकमुश्त निपटान योजना (One-Time Settlement Scheme) के अंतर्गत लगभग 10.84 करोड़ रुपये की वसूली की गई। उन्होंने कहा कि संस्था की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए बकाया ऋणों की वसूली, वित्तीय अनुशासन तथा उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने सदस्य सहकारी समितियों एवं व्यक्तिगत ऋणधारकों से अपने बकाया ऋणों का समय पर भुगतान करने का आह्वान किया।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2024–25 की अंकेक्षित बैलेंस शीट एवं वार्षिक प्रतिवेदन विचारार्थ प्रस्तुत किए गए। उन्होंने जानकारी दी कि 31 मार्च, 2025 तक प्रसंघ की कुल शेयर पूंजी लगभग 27 करोड़ रुपये रही, जिसमें राज्य सरकार, सदस्य सहकारी समितियों तथा व्यक्तिगत सदस्यों की भागीदारी शामिल है।

बैठक में गत 27 फरवरी, 2025 को आयोजित वार्षिक आम सभा की कार्यवाही की पुष्टि, वित्तीय वर्ष 2024–25 की अंकेक्षित बैलेंस शीट एवं वार्षिक प्रतिवेदन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया गया।

चेयरमैन श्री सुभाष बंसल जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सहकारिता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप पारदर्शिता, वित्तीय सुदृढ़ता, सदस्य हितों के संरक्षण तथा संस्था की कार्यकुशलता बढ़ाने के महत्व पर बल दिया गया।

प्रबंध निदेशक श्री योगेश शर्मा ने कहा कि सहकारिता सामूहिक प्रयास, पारस्परिक विश्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि हाउसफैड का उद्देश्य वित्तीय अनुशासन, समयबद्ध ऋण वसूली, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा उपलब्ध संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के माध्यम से संस्था को और अधिक सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

हाउसफैड इसी भावना के अनुरूप सहकारी आवास क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण तथा सदस्य समितियों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।



स्वदेशी से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता से विकसित भारत

योगेश शर्मा, संयुक्त रजिस्ट्रार (9467523666)

राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बनता, वह हमारे श्रम, उत्पादन, बाजार और प्रत्येक नागरिक के छोटे–छोटे आर्थिक निर्णयों से बनता है। हम प्रतिदिन सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक न जाने कितनी वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग करते हैं। टूथपेस्ट, साबुन, चाय, दूध, नमक, आटा, कपड़े, जूते, मोबाइल फोन, दवाइयाँ, वाहन, बैंकिंग, डिजिटल भुगतान–हम शायद ही कभी सोचते हैं कि हमारी प्रत्येक खरीद के पीछे एक पूरी आर्थिक श्रृंखला काम कर रही होती है। हम ₹10 का बिस्कुट खरीदें या ₹10 लाख की कार–हम केवल वस्तु नहीं खरीदते, हम किसी उत्पादन व्यवस्था को अपना आर्थिक समर्थन भी देते हैं। इसीलिए स्वदेशी केवल भावनात्मक नारा नहीं है। स्वदेशी अर्थशास्त्र है। स्वदेशी रोजगार है। स्वदेशी उद्यमिता है। स्वदेशी आत्मसम्मान है और अंततः स्वदेशी–विकसित भारत की आर्थिक नींव है।

एक सुबह की कल्पना कीजिए। सुबह घर में हरियाणा के वीटा ब्रांड का दूध आता है। चाय में Tata Tea हो सकती है। नाश्ते में Parle, Britannia, Haldiram's अथवा किसी स्थानीय खाद्य निर्माता का उत्पाद हो सकता है। रसोई में Tata Salt, Tata Sampann, Fortune, Mother Dairy, Vita और अनेक भारतीय कंपनियों एवं सहकारी संस्थाओं के उत्पाद मिल सकते हैं। व्यक्तिगत देखभाल में Dabur, Himalaya, Patanjali, Vicco, Emami, Godrej और Marico जैसे भारतीय उद्यम हमारे सामने विकल्प प्रस्तुत करते हैं। कपड़ों में Raymond, Manyavar, Fabindia के साथ हजारों स्थानीय हथकरघा, खादी और वस्त्र निर्माता हैं। पैरों में Relaxo, Campus या Liberty जैसे भारतीय उद्यमों के उत्पाद हो सकते हैं। घर के बिजली उपकरणों में Havells, Crompton, Bajaj Electricals, Usha, Voltas, Blue Star जैसे नाम हैं। घड़ी में Titan, आभूषणों में Tanishq, फर्नीचर एवं घरेलू उत्पादों में Godrej जैसे भारतीय व्यवसाय दिखाई देते हैं। सड़क पर निकलें तो Tata Motors, Mahindra & Mahindra, Bajaj Auto, TVS Motor, Hero MotoCorp जैसे भारतीय उद्यम दिखाई देते हैं।

अर्थात –

स्वदेशी हमारे लिए कोई अपरिचित विचार नहीं है। वह पहले से हमारे घर में है। हमारी रसोई में है। हमारी अलमारी में है। हमारी सड़क पर है। हमारे खेत में है। और हमारे मोबाइल में भी है। आवश्यकता केवल उसे पहचानने और जहाँ उचित हो, प्राथमिकता देने की है। राष्ट्र की आर्थिक स्वतंत्रता भी आवश्यक है

1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी। अब 2047 की यात्रा हमें आर्थिक और तकनीकी सामर्थ्य की नई ऊँचाई तक ले जानी है। जिस राष्ट्र के पास अपना मजबूत उत्पादन आधार, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा क्षमता, तकनीक, रक्षा उत्पादन, औषधि उद्योग हों–उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता भी अधिक मजबूत होती है। इसलिए आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं है।

यह राष्ट्रीय सामर्थ्य का प्रश्न है। एक छोटा-सा संकल्प

हमें जीवन एक दिन में बदलने की आवश्यकता नहीं। बस अगली बार बाजार जाएँ तो एक अतिरिक्त प्रश्न पूछें – "इसका अच्छा भारतीय विकल्प क्या है?" दुकानदार से पूछिए। Online search कीजिए। स्थानीय निर्माता को अवसर दीजिए। किसी SHG की महिला द्वारा बनाया गया उत्पाद दिखाई दे–एक बार आजमाइए। किसी सहकारी संस्था का गुणवत्तापूर्ण उत्पाद हो – उसे अवसर दीजिए। किसी युवा का भारतीय startup विश्वस्तरीय समाधान दे रहा हो – उसे केवल इसलिए कम न आँकिए कि उसका नाम विदेशी नहीं लगता। देशभक्ति केवल सीमा पर दिखाई देने वाली भावना नहीं है। सैनिक सीमा की रक्षा करता है। किसान अन्न पैदा करता है। श्रमिक उत्पादन करता है। वैज्ञानिक तकनीक विकसित करता है। उद्यमी जोखिम उठाता है। कारीगर अपनी कला बचाता है। सहकारी संस्था छोटे लोगों को सामूहिक शक्ति देती है। और उपभोक्ता अपने रुपये से यह तय करता है कि इनमें से किसकी मेहनत को बाजार मिलेगा। हमारे बटुए में रखा रुपया निर्जीव कागज नहीं है। उसकी भी एक दिशा होती है। हम जिस दिशा में उसे खर्च करते हैं, उसी दिशा में मांग जाती है; मांग के पीछे निवेश जाता है; निवेश के पीछे उद्योग आता है और उद्योग के पीछे रोजगार। इसलिए कभी–कभी ₹10 का निर्णय भी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए अर्थ रखता है – जब वही निर्णय करोड़ों नागरिक लेते हैं।

हमारे पूर्वजों ने हमें स्वतंत्र भारत दिया। हमारी पीढ़ी पर उत्तरदायित्व है कि आने वाली पीढ़ियों को समर्थ भारत, समृद्ध भारत और विकसित भारत देकर जाए। इसके लिए हर व्यक्ति को कारखाना लगाने की आवश्यकता नहीं। हर व्यक्ति को उद्यमी बनने की आवश्यकता नहीं। हर व्यक्ति को अर्थशास्त्री बनने की भी आवश्यकता नहीं। कभी–कभी शुरुआत केवल इतनी–सी है – जब दो गुणवत्तापूर्ण विकल्प हमारे सामने हों, तो उस विकल्प को भी देखें जिसके पीछे किसी भारतीय किसान का खेत है, किसी श्रमिक का पसीना है, किसी महिला स्वयं सहायता समूह का परिश्रम है, किसी कारीगर का हुनर है, किसी युवा उद्यमी का सपना है, किसी सहकारी संस्था की सामूहिक शक्ति है और भारत के भविष्य की संभावना है।

क्योंकि – ''स्वदेशी केवल यह नहीं पूछता कि वस्तु कहाँ बनी। स्वदेशी यह भी पूछता है कि हमारी खरीद से किसका भविष्य बना।'' और शायद यही स्वदेशी का सबसे सुंदर अर्थ है – अपने विकास में अपने देश के विकास को स्थान देना। स्वदेशी से स्वावलंबन। स्वावलंबन से आत्मनिर्भरता। आत्मनिर्भरता से आर्थिक सामर्थ्य और आर्थिक सामर्थ् से – विकसित भारत। ''हम खरीदें भी भारत के लिए, हम बनाएँ भी भारत के लिए – और मिलकर बनाएँ विकसित भारत।

'रन फॉर यूनिटी' में दौड़ लगाकर कैबिनेट मंत्री ने दिया अखंडता का संदेश

सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोया: डॉ. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

हरियाणा के सहकारिता, कारागार, पर्यटन, निर्वाचन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत की मजबूत नींव रखी थी। आज प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और जनसेवा की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों पर चलकर ही एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रोहतक के राजीव गांधी खेल परिसर में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने युवाओं, खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के साथ दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़ में भाग लिया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलवाई।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, एकजुटता और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। इससे पहले उन्होंने सरदार पटेल के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया तथा कार्यक्रम में शामिल युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, मातृशक्ति और नागरिकों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं।





युवा पीढ़ी को महापुरुषों के बलिदान से अवगत करवाना जरूरी : ग्रोवर

रोहतक। पूर्व मंत्री मनीष गुजर ग्रोवर ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अदम्य साहस, कुशल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के परिणामस्वरूप देश की 560 से अधिक रियासतों का संगठित भारत हुआ और अखंड भारत का निर्माण हुआ। सरदार पटेल का जीवन हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति सदैव जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। युवा पीढ़ी तभी देश की आकांक्षाओं, संघर्षों और महापुरुषों के बलिदानों से अवगत रहेगी, जब उसमें राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और सामाजिक समरसता की भावना मजबूत हो सके। इस अवसर पर उपमहापौर अशोक कुमार, आचार्य अजित वीरेंद्र सिंह दून, विजय बंसल, इंदर पेंटल, जसबीर सिंहल, राजेश खरकल, पवन आहूजा, तुलसीराम सिवाच, हितेश मोरी, संदीप शर्मा, वीरेंद्र लठवाल व विक्रम कपूर आदि मौजूद थे। उधर, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने भी सरदार पटेल जयंती तथा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र सांसद अनुराग ठाकुर के आग्रह पर युवा उपमहापौर मेयर कुमार अशोक सिवाच ने झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया।

जीते तो ईवीएम ठीक, हारे तो लोकतंत्र खतरे में कैसे

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को ईवीएम पर सवाल उठाने की याद आ गई है। जब वे जीतते हैं तो ईवीएम सही होती है, लेकिन पांडिचेरी चुनाव में हार मिलते ही ईवीएम खराब हो गई और लोकतंत्र खतरे में आ गया।

सहकारिता मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों को बांटे चेक, दो पैक्स का किया उद्घाटन

स्वयं सहायता समूहों को मिले पांच करोड़ रुपये, मंत्री बोले-सहकारिता से आत्मनिर्भर बनेंगे परिवार

संवाद न्यूज एजेंसी

भिवानी। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मंगलवार को भिवानी में सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के मेगा इवेंट में जिले के दो पैक्स का उद्घाटन किया और 250 स्वयं सहायता समूहों को पांच करोड़ रुपये के चेक वितरित किए।

उन्होंने कहा कि सहकारिता देश को जोड़ने और लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है जिससे प्रत्येक परिवार राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है।

पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पैक्स के शत-प्रतिशत कंप्यूटरीकरण का काम तेजी से किया जा रहा है और जल्द ही नई सहकारिता नीति भी लाई जाएगी। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों और संयुक्त देयता समूहों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 20 महिलाएं मिलकर स्वयं सहायता समूह और 10 महिलाएं मिलकर संयुक्त देयता समूह बना सकती हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं और ऋण का लाभ लेकर अपना रोजगार शुरू कर सकती हैं।



भिवानी बाईपास मार्ग के पास पैक्स का उद्घाटन करते डॉ. अरविंद शर्मा। सूत्रधार भिवानी

डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का लक्ष्य सहकारिता के माध्यम से देश के प्रत्येक परिवार को जोड़ना है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन सौरभ शर्मा, नाबार्ड के डीडीएम अजीत जाखड़, हरको बैंक के प्रोफेशनल डायरेक्टर एडवोकेट देवकांत शर्मा, एआर भिवानी सुनीता डाका, एआर लोहारू अरविंद हुड्डा भीजूद रहे।

कांग्रेस पर लगाए झूठ फैलाने के आरोप

डॉ. अरविंद शर्मा ने कांग्रेस पर संविधान और आरक्षण को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान के साथ छेड़छाड़ नहीं की है। एसआईआर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारत के मूल निवासी का वोट नहीं कट सकता। ईवीएम और मतदाता सूची पर विपक्ष के सवालों को चुनावी हार से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष परिणाम अपने पक्ष में आने पर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाता लेकिन हारने पर आरोप लगाने लगता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस प्रकार की भाषा का प्रयोग अशोभनीय है।

पैक्स का 100% कंप्यूटरीकरण व महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य

• प्रदेश के सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा पहुंचे भिवानी | • गोलागढ़ पैक्स व भिवानी सहकारी बैंक बांध का किया उद्घाटन

जागरण संवाददाता, भिवानी: प्रदेश के सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकारिता जीवन में खुशहाली लाने का सशक्त माध्यम है। हर परिवार सहकारिता से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभा सकता है। सहकारिता देश को जोड़ने वाला सरल सूत्र है।

सहकारिता मंत्री डा. शर्मा मंगलवार को भिवानी बाईपास मार्ग पर एक रिसोर्ट में दो सेंट्रल कापरेटिव बैंक, भिवानी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंत्री जिला की 250 सेल्फ हेल्प महिला ग्रुप को पांच करोड़ रुपये की राशि के चेक भेंट किए। वहीं गोलागढ़ में पैक्स और सिवानी ब्रांच का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बनाए गए उत्पादों का अवलोकन किया और महिलाओं को स्वावलंबन के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली, पैक्स के आधुनिकीकरण और आगामी नीतियों को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में पैक्स के कंप्यूटरीकरण का कार्य शत-प्रतिशत आगे बढ़ रहा है। बहुत जल्द नई सहकारिता नीति भी सामने आ जाएगी। इसके साथ ही महिलाओं के सेल्फ हेल्प ग्रुप और लाभार्थियों के ग्रुप को जीरो बैलेंस और बिना ज्यादा औपचारिकताओं के आसानी से लोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20 महिलाएं मिलकर सेल्फ हेल्प ग्रुप बना सकती हैं। वहीं 10 महिलाएं मिलकर लाभार्थी ग्रुप बना सकती हैं तथा 20 बैलेंस पर अपना खाता सहकारिता विभाग में खुलवा कर अपना कार्य शुरू कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग को 100 प्रतिशत कंप्यूटरीकृत करने की दिशा में कार्य हो रहा है।



प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रदेश के सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा • प्रिंसि

कार्यक्रम में बैंक के म्हाप्रबंधक दिनेश सिंह चौहान और चेयरमैन सुधीर चांदवास ने कैबिनेट मंत्री का सम्मान किया। उन्होंने बैंक की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन सौरभ शर्मा, नाबार्ड के डीडीएम अजीत जाखड़, हरको बैंक चंडीगढ़ के प्रोफेशनल डायरेक्टर एडवोकेट देवकांत शर्मा, एआर भिवानी सुनीता डाका, एआर लोहारू अरविंद हुड्डा भीजूद रहे।

जब भी कांग्रेसी मर्यादा भूलते हैं, फायदा भाजपा को

जसं • भिवानी: अरविंद शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर दिये बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी का देश ही नहीं, विदेशों में भी सम्मान है, पर कांग्रेसी पच नहीं पा रहे। उन्होंने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि जब भी कांग्रेस मर्यादा भूलती है, भाजपा को फायदा होता है। सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा भिवानी-महेंद्रगढ़ को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा कि कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है।

एसडीओ का मूल मंत्र है कि किसी भारतीय व्यक्ति का वोट नहीं कटेगा। सहकारिता मंत्री मंगलवार को स्वयं सहायता समूहों को पांच करोड़ रुपये राशि देने व दो सहकारी समितियों का उद्घाटन करने भिवानी पहुंचे। शर्मा ने कहा कि कांग्रेसी हमारी संस्कृति व बड़ों का मान-सम्मान भूल चुके हैं। पर कांग्रेसी जब भी गलत बोलते हैं, भाजपा को फायदा ही होता है। फिर चाहे मणि शंकर अय्यर ने चाय वाला कहा हो या राहुल गांधी ने चौकीदार पर कटाक्ष किया हो। ऐसे बयान जब भी आए, भाजपा ही जीती है।

अरविंद शर्मा ने गन्ने का भाव 430 रुपये प्रति क्विंटल करने पर सीएम का आभार जताया

गोहाना (सोनीपत), 29 अक्तूबर (हप्र)

हरियाणा के सहकारिता, कारागार, पर्यटन, निर्वाचन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा आगामी दो वर्षों के लिए गन्ने के भाव में बढ़ोतरी की घोषणा किए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा से प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। साथ ही गन्ने की खेती का दायरा बढ़ाने और सहकारी चीनी मिलों को पर्याप्त मात्रा में गन्ना उपलब्ध करवाने में भी मदद मिलेगी। सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2026-27 के गन्ना पेराई सत्र के लिए गन्ने का भाव 415 रुपये से बढ़ाकर 430 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 15 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले पेराई सत्र 2027-28 में गन्ने का भाव बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की है। इस प्रकार दो वर्षों में गन्ने के भाव में कुल 35 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होगी।



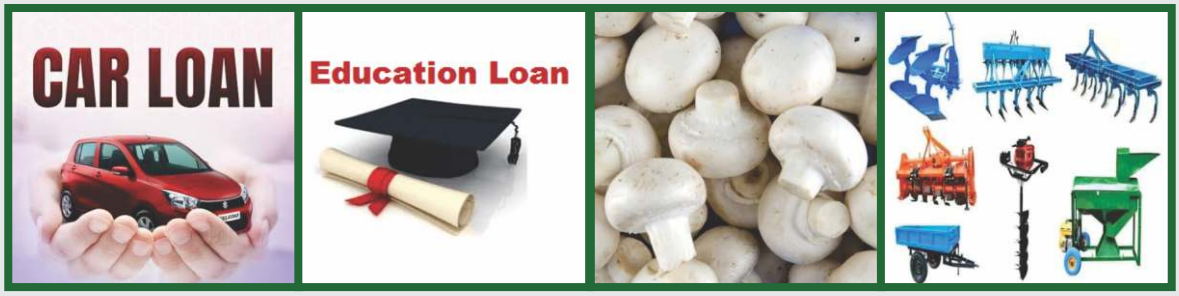
डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार गन्ने के भाव में इस बढ़ोतरी से किसानों की प्रति एकड़ आय में प्रति सीजन 10 हजार से 11 हजार 500 रुपये तक का इजाफा होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का लाभकारी मूल्य मिलने से गन्ने की खेती के प्रति रुझान बढ़ेगा। इससे प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों को पर्याप्त गन्ना उपलब्ध होने के साथ उनकी कार्यक्षमता और आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।



हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लि0, पंचकूला



हरियाणा कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के ऋणी सदस्यों द्वारा समय पर भुगतान करने पर 50 प्रतिशत ब्याज माफी दी जा रही है।



हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लि0, पंचकूला

31-34, सेक्टर-2, पंचकूला

0172-2587040

हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लि0





1 करोड़ रुपये तक के सभी (कुशल / अकुशल) कार्य वर्तमान में लोक निर्माण विभाग के संकल में जारी निविदाओं के न्यूनतम रेट अनुसार प्राथमिक श्रम एवं निर्माण सहकारी समितियों के लिए पूर्ण रुप से आरक्षित होंगें।



सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों 50.00 लाख रुपये तक के कार्यों के लिए 25000 रुपये या 1% (जो भी कम हो) की बचाना राशि का भुगतान करेगी और 50.00 लाख रुपये से अधिक के कार्यों के लिए, बचाना राशि ठेकेदारों पर लागू बचाना राशि का 50% होगी।

सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के लिए निष्पादन सुरक्षा किसी भी मूल्य तक के कार्यों के लिए ठेकेदारों पर लागू निष्पादन सुरक्षा का आधा होगी । जिस समिति के सभी सदस्य महिलाएँ या अनुसूचित जाति से हैं, उनके लिए निष्पादन सुरक्षा ठेकेदारों पर लागू निष्पादन सुरक्षा का 25% होगी।



सरकारी अस्पताल और शहरी स्थानीय निकायों में सफाई का काम सहकारी श्रम और निर्माण समितियों के लिए 7 करोड़ रुपये तक आरक्षित रहेगा, जिदरके सभी सदस्य महिला या अनुसूचित जाति के शामिल होंगें । यदि सहकारी श्रम और निर्माण समितियों निविदा देने में विफल रहती हैं, तो सेवा प्रदाता और सहकारी श्रम और निर्माण समितियों दोनों से खुली निविदाएँ आमंत्रित की जा सकती हैं।

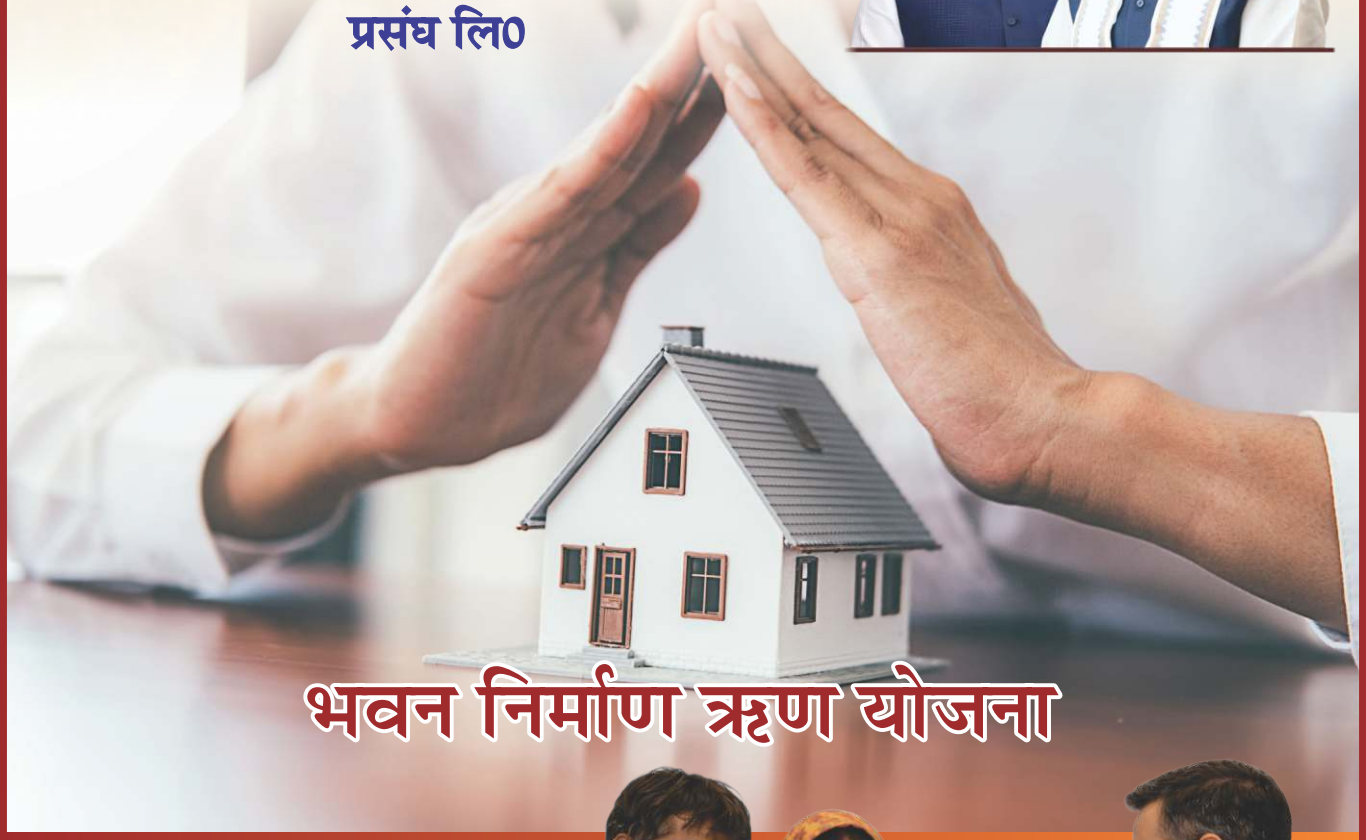


हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लि0
23–24, सेक्टर – 2 पंचकूला
0172–2572624–25
labourfed.haryana.gov.in

HOUSEFED

दी हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0





भवन निर्माण ऋण योजना

हाउसफैड द्वारा शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र व्यक्तियों को आवास निर्माण हेतु 12.50 लाख रूपये तक का ऋण 7% वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध



हर परिवार का सपना हाउसफैड से घर बने अपना

दी हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0
बेज न0. 49-52, सेक्टर-2, पंचकूला
0172-2575847, 0172-2574142
housefedhry@gmail.com
housefed.haryana.gov.in

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

नैनो उर्वरकों का कमाल, हर खेत-किसान बने खुशहाल

नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी
नैनो जिंक • नैनो कॉपर • धरामृत • सागरिका

उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान

मिट्टी की उर्वरता बढ़े
पर्यावरण के लिए सुरक्षित
कम मात्रा में अधिक प्रभाव

इफको का है यह अभियान,
स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान

कम लागत में अधिक उत्पादन
फसल की गुणवत्ता में सुधार
भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान

नैनो उर्वरक अपनाओ, फसलों का उत्पादन, गुणवत्ता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाओ।



IFFDC
IFFCO
इण्डियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड
राज्य कार्यालय हरियाणा एवं दिल्ली
बी. ऐस नकई भवन, प्लाट नं. 2 (बी एवं सी), सैक्टर–28–ए, मध्य मार्ग चण्डीगढ़–160002
फोन नं॰ 0172-4991402-4991417 वेबसाइट - www.iffco.in
IFFCO BAZAR
IFFCO - MC
CROP SCIENCE
follow us or subscribe us iffco_coop iffco Haryana IFFCO Haryana IFFCO_HR

Vita

Vita

हरियाणा की पहचान,

स्वाद, सेहत और विश्वास का संगम



@Haryanavita @hddcfvita @vitaharyana

Milk • Ghee • Butter • Vita Sweets • Kheer • Dahi • Paneer • Lassi



हरियाणा सरकार

सहकारिता विभाग, हरियाणा



(हरकोफैड)

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला

द्वारा

सहकारिता जागरूकता अभियान

वित्तीय वर्ष 2026-2027

राज्य के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है

अगस्त 2026 तक कार्यक्रम आयोजित जिले

9 जुलाई 2026: नारनौल
20 जुलाई 2026: कुरुक्षेत्र
2 अगस्त 2026: पलवल
18 सितंबर 2026: यमुनानगर



श्री पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा



डॉ. सुमिता ढ़ाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां
हरियाणा



श्री नरेश गोयल
प्रबंध निदेशक, हरकोफैड

अभियान से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - सौरव अत्री, प्रचार अधिकारी 6280460371

सहकार से समृद्धि

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

समृद्धि से आत्मनिर्भरता

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://harcofed.haryana.gov.in/ harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264